

## तेरी मेरी खूब बनेगी

तेरी मेरी खूब बनेगी खूब निभेगी श्याम ,  
सेवक तुमको चाहिए मालिक मुझको श्याम,

गंगाजल से तेरे चरण पखारूंगा,  
जिस जैसे चंदन तिलक लगाऊंगा,  
रंग-बिरंगे बागे पहनाऊंगा तुझे श्याम,  
तेरी मेरी खूब बनेगी खूब निभेगी श्याम.....

फरमाओगे जो भी वही मैं करूंगा ,  
करूंगा मैं सेवा तेरी हाजरी भरूंगा,  
रुचि रुचि भोग बनाके खिलाऊंगा तुझे श्याम,  
तेरी मेरी खूब बनेगी खूब निभेगी श्याम.....

चरण दबाऊंगा मैं चवर डुलाऊंगा,  
चरण दबाऊंगा मैं चवर डुलाऊंगा  
होगी मैहर तेरी भजन सुनाऊंगा  
झूम झूम के टीकम रिजाऊंगा तुझे श्याम  
तेरी मेरी खूब बनेगी खूब निभेगी श्याम.....

गायक जयकुमार दीवाना मुंबई  
संपर्क 8828188105

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3599/title/teri-meri-khub-banegi-khub-nibhaye-gi-shyam-sewak-tumko-chahiye-malik-mujko-shyam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |